पूर्व नंबर एक क्लाइस्टर्स की निराशाजनक वापसी

बीजिंग, आइएएनएस : चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता बेल्जियम की किम क्लाइस्टर्स की टेनिस में वापसी निराशाजनक रही और उन्हें मंगलवार को यहां दुबई चैंपियनशिप में पहले ही मैच में स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। पूर्व विश्व नंबर-1 क्लाइस्टर्स ने 2012 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अब वापसी की है और उन्हें पहले राउंड में ही मुगरुजा के खिलाफ 2-6, 6-7 से हार गई।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में जोस बटलर का फॉर्म में लौटना उनके टेस्ट करियर के लिए अच्छा है। - **क्रिस सिल्वरवुड, इंग्लैंड के कोच**

नवी मुंबई में होगा फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप फाइनल

फुटबॉल डायरी ▶ दो नवंबर से गुवाहाटी से होगी टूर्नामेंट की शुरुआत, टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी और 32 मैच खेले जाएंगे

ग्रुप चरण के मैच अहमदाबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी और कोलकाता में खेले जाएंगे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारत में पहली बार होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का फाइनल 21 नवंबर को नवी मुंबई में होगा। आयोजन समिति ने मंगलवार को यहां घोषणा की।

इस प्रतियोगिता के मैच देश के पांच शहरों अहमदाबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, कोलकाता और नवी मुंबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत दो नवंबर से गुवाहाटी से होगी। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 12 और 13 नवंबर जबकि सेमीफाइनल 17 नवंबर को होंगे। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी और इस दौरान कुल 32 मैच खेले जाएंगे। इस अवसर पर खेल मंत्री किरन रिजिजू ने कहा, 'भारत जबकि एक अन्य फीफा प्रतियोगिता की मेजबानी की तैयारियों में जुटा है, मैं इसकी शानदार सफलता के लिए सारे देशवासियों से समर्थन की अपील करता हूं। हमारी भारतीय अंडर-17 महिला टीम पहली बार फीफा टूर्नामेंट में खेल रही है।' ग्रुप चरण के मैच चार शहरों अहमदाबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी और कोलकाता में खेले जाएंगे। इस दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक स्लोगन किक ऑफ द ड्रीम का भी अनावरण किया गया है। वहीं, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) और स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा, 'इस टूर्नामेंट के बाद हमारी नजरें अंडर-20 विश्व कप और क्लब विश्व कप पर लगी हुई हैं। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का ड्रॉ सितंबर में निकाला जा सकता है।'

फीफा अंडर-17 विश्व कप कार्यक्रम के दौरान (बायें से) एएफआइ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, खेल मंत्री किरन रिजिजू, सारांई बैरमैन और रॉबर्टो ग्रासी। एएनआइ

एआइएफएफ को एएफसी की ब्रांज लेवल सदस्यता मिली : एआइएफएफ को एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की 'ग्रासरूट चार्टर ब्रांज लेवल' सदस्यता मिली है जिससे यह राष्ट्रीय महासंघ अपनी आधारभूत प्रतियोगिताओं को एएफसी से मान्यता प्राप्त के रूप में बढ़ावा दे सकता है। एएफसी ग्रासरूट चार्टर की शर्तों के अनुसार, अब एआइएफएफ अपनी जमीनी स्तर की प्रतियोगिताओं और गतिविधियों को एएफसी के सहयोग और मान्यता प्राप्त के रूप में बढ़ावा दे सकता है।

मैनचेस्टर युनाइटेड ने चेल्सी को हराया

लंदन, रायटर : मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मैच में चेल्सी को 2-0 से हरा दिया। यह मुकाबला 2-2 से ड्रॉ हो सकता था, लेकिन चेल्सी द्वारा किए गए दो गोल वार के कारण खारिज कर दिए गए और चेल्सी को स्टेमफोर्ड ब्रिज स्टेडियम में हार मिली। चेल्सी के मैनेजर फ्रैंक लैंपार्ड अपने कोचिंग दिनों के सबसे बुरे समय से गुजर रहे हैं। अपने गोलकीपर केपा अरिजावालागा को बेंच पर बिठाना भी उनके लिए कारगरा साबित नहीं हुआ और इस हार ने उनकी टीम को एक नए निचले स्तर पर पहुंचा दिया।

दोनों टीमों की तरफ से एक जोरदार मुकाबला देखने को नहीं मिला जबकि मैच में वार और खराब अंपायरिंग भी इस मैच में चर्चा का विषय रही। मैनचेस्टर युनाइटेड ने कुछ गलतियां की। इसके बावजूद वे गोल करने में सफल रहे लेकिन इसके लिए उसे पहले हाफ के अंत का इंतजार करना पड़ा। फ्रांस के एंथोनी मार्टियल ने 45वें मिनट में शानदार गोल करते हुए अपनी टीम का खाता खोल दिया। एरॉन वान बिसाका ने मार्टियल को शानदार क्रॉस दिया। मार्टियल ने डिफेंडर आंद्रेस क्रिस्टेनसेन को छकाते हुए अपने हेडर से गेंद को नेट में डाल अपनी टीम का खाता खोला। ब्रेक के बाद चेल्सी के डिफेंडर कुर्ट जाउमा ने बराबरी का गोल कर दिया था लेकिन वार ने इस गोल को नकार दिया। चेल्सी के लिए दूसरी बुरी खबर तब आई जब 66वें मिनट में हैरी मेगयुइरे ने कॉर्नर किक पर हेडर से गोल कर दिया। मैच में यहां से भी काफी समय बचा था लेकिन इस दौरान भी सिर्फ मेजबान टीम को निराशा ही मिली। 77वें मिनट में एक बार फिर लंदन स्थित क्लब ने गोल कर दिया था लेकिन वार ने इसे ऑफ साइड करार दे दिया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर युनाइटेड ने 38 अंकों के साथ सातवां स्थान हासिल किया और वह अब चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से तीन अंक पीछे है।

बावुमा ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले टी-20 मैच से बाहर

जोहानिसबर्ग, आइएएनएस : दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज टेम्बा बावुमा हार्मस्ट्रिंग चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले पहले टी-20 मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने मंगलवार को अपने आधिकारिक वेबसाइट पर बताया कि बावुमा को रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में फील्डिंग करते समय चोट लग गई थी। इस चोट से उबरने में अब उन्हें सात से 10 दिन तक का समय लगेगा। सीएसए ने बताया कि बावुमा टीम के साथ बने रहेंगे और इस दौरान उनका उपचार जारी रहेगा, ताकि वह रविवार के पोर्ट एलिजाबेथ में रविवार को होने वाले दूसरे टी-20 मैच में टीम में लौट सके। टीम प्रबंधन ने फिलहाल उनके स्थान पर किसी और खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है। दक्षिण अफ्रीका को 21, 23 और 26 फरवरी को जोहानिसबर्ग, पोर्ट एलिजाबेथ और केपटाउन में ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है।

दक्षिण अफ्रीका टी-20 टीम : क्विंटन डिकॉक (कप्तान व विकेटकीपर), डुप्लेसिस, डुसेन, मिलर, बिल्जोन, प्रिटोरियस, फेलुकवायो, स्मट्स, रबादा, शम्सी, नगिदी, फोर्टुइन, नॉर्त्जे, स्टेन।

वार्नर, स्मिथ ने इंग्लैंड में किया अभ्यास : लैंगर

मेलबर्न, आइएएनएस : ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है जब बीते साल उनकी टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया था तभी दक्षिण अफ्रीका दौरे का अभ्यास कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। टीम के 2018 के विवादास्पद दौरे के बाद से पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही है। बीते दौरे पर स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरून बैनक्राफ्ट को गेंद से छेड़छाड़ के मामले में दोषी पाया गया था और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इन तीनों को प्रतिबंधित कर दिया था।

2019 में इंग्लैंड में खेले गए विश्व कप और इसके बाद के एशेज सीरीज में स्मिथ और वार्नर को दर्शकों की बेरुखी का सामना करना पड़ा था। लैंगर ने कहा कि जब वे दोनों टीम में वापस आए थे तो तब टीम का शानदार तरीके से पुर्नगठन हुआ था। जब बहुत अच्छा काम किया गया था और इंग्लैंड में अपने दक्षिण अफ्रीका दौरे का अच्छा अभ्यास किया था। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के लिए वह मुश्किल दौरा रहा था और जिस तरह से दोनों ने अपने बल्ले से जवाब दिया था उस पर मुझे गर्व है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच जस्टिन लैंगर। फाइल फोटो, एपी

महिला विश्व कप

भारतीय महिलाओं ने वेस्टइंडीज को हराया

ब्रिसबेन, प्रेट्र : स्पिनर पूनम यादव के तीन विकेट से भारत ने आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप के अभ्यास मैच में मंगलवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दो रन से जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर सिर्फ 107 रन का मामूली स्कोर बनाया। जीत के लिए 108 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 105 रन ही बना सकी। पूनम ने चार ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज की टीम 13 ओवर में एक विकेट पर 57 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। दीप्ति शर्मा ने जैसे ही सलामी बल्लेबाज ली-एन किर्बी (42) को आउट किया, वेस्टइंडीज की पारी लड़खड़ा गई। इसके तुरंत बाद कप्तान स्टेफनी टेलर (16), चेडिन नेशन (00) और डिएंड्रा डोटिन (01) भी पवेलियन लौट गए जिससे टीम का स्कोर 17वें ओवर में पांच विकेट पर 67 रन हो गया।

विकेट लेने के बाद जश्न मनाती भारतीय स्पिनर पूनम यादव (दायें)। फाइल फोटो, प्रेट्र

हेली मैथ्यूज (25) और चिनले हेनरी (17) ने 19वें ओवर में तीन चौके और एक छक्का जड़ा जिसके बाद वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम छह गेंदों पर 11 रन बनाने थे। हेनरी ने पूनम की गेंद पर चौका मारा लेकिन ओवर की चौथी गेंद पर मैथ्यूज आउट हो गईं। आखिरी गेंद पर जीत के लिए तीन रन की जरूरत थी लेकिन हेनरी वेदा कृष्णमूर्ति को कैच थमा बैठीं। इससे पहले भारत का शीर्ष क्रम भी लड़खड़ा गया। टीम ने चौथे ओवर की पहली गेंद तक 17 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (04) छह गेंद ही खेल सकीं जबकि जेमिमाह रोड्रिगज खाता खोलने में नाकाम रहीं। युवा शेफाली वर्मा भी दो चौके लगाकर शामिलिया कोन्नेल की गेंद पर आउट हो गईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) और वेदा (05) भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहीं।

विविध

उप्र के शॉपिंग मॉल में सरकार की मर्जी से रखे जाएंगे कर्मी

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

- प्रदेश में रोजगार मेले का आयोजन कर सेवायोजन कार्यालय देगा कर्मचारी
- न्यूनतम वेतन निर्धारण होगा, शो रूम संचालकों की रुकेगी मनमर्जी

उप्र में शॉपिंग मॉल के शोरूम एवं मल्टीप्लेक्स में काम करने वाले कर्मचारियों को मनमर्जी से पैसा देकर काम लेने की व्यवस्था पर विराम लगने वाला है। सरकार इन कर्मचारियों पर भी न्यूनतम वेतनमान निर्धारण लागू करने जा रही है। इस तरह शोरूमों के लिए योग्य कर्मचारियों की तैनाती सेवायोजन कार्यालय से की जाएगी। इसके लिए क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेला लगाया जाएगा।

इस व्यवस्था से कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन का पालन हो सकेगा और शोरूम संचालकों को कर्मचारियों की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी। जिन्हें नौकरी दी जाएगी, उन्हें नियम के मुताबिक न्यूनतम 8067 रुपये से कम पर न रखा जाएगा। प्रदेश सरकार की योजना है कि अब यदि प्रदेशभर के शोरूमों के लिए कर्मचारियों की जरूरत होगी तो रिक्तियों का ब्योरा क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। इसके बाद रोजगार मेला लगाकर शोरूम संचालक कर्मचरियों को तलाशेंगे। तीन श्रेणियों (अकुशल, अर्द्धकुशल और कुशल) वर्ग में कर्मचारियों को अलग-अलग वेतन भी संचालकों को देना होगा।

अप्रैल में जारी हो सकता है निर्देश

सूत्रों की मानें तो श्रम एवं सेवायोजन मंत्रालय में इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। मंत्रालय की ओर से प्रदेश के सभी सेवायोजन कार्यालय को अप्रैल में निर्देश जारी किया जा सकता है।

अभी शासन से लिखित में ऐसा कोई निर्देश नहीं मिला है। हालांकि, तैयारी चल रही है कि मॉल के शोरूम में सरकार की मर्जी से कर्मचारियों को रखा जाए। इससे मॉल के शोरूम व मल्टीप्लेक्स के संचालकों के साथ ही बेरोजगारों को भी सहूलियत होगी।

- रत्नाकर अस्थाना, सहायक निदेशक सेवायोजन, प्रयागराज।

एजेंटों पर कार्रवाई का असर, यात्रियों को अब और मिल सकेंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, प्रेट्र : अब यात्रियों के लिए और तत्काल टिकट उपलब्ध रह सकते हैं। रेलवे ने तत्काल टिकट की राह में रोड़ा साबित हो रहे गैरकानूनी साफ्टवेयर को नष्ट कर दिया है और 60 एजेंट गिरफ्तार किए गए हैं। ये एजेंट ही तत्काल टिकटों को ब्लॉक करने के लिए गैरकानूनी साफ्टवेयर का इस्तेमाल करते थे। एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक अरुण कुमार ने कहा कि गैरकानूनी साफ्टवेयर उन्मूलन अभियान का मतलब यह है कि पहले की तुलना में अब यात्रियों के लिए और तत्काल टिकट उपलब्ध रह सकेंगे। पहले बुकिंग शुरू होने के एक या दो मिनट के भीतर ही किसी यात्री को तत्काल टिकट मिल पाता था।

कौन-कौन से साफ्टवेयर कर रहे थे गैरकानूनी काम : अधिकारी ने स्पष्ट किया कि एएनएमएस, एमएसी और जगुआर जैसे साफ्टवेयर टिकट बनाने के लिए आइआरसीटीसी के लॉगइन कैप्चा, बुकिंग कैप्चा और बैंक ओटीपी को बायपास कर सकते हैं। एक वास्तविक यूजर को इस पूरी प्रक्रिया से गुजरना होता है। सामान्य यूजर को बुकिंग प्रक्रिया में करीब 2.55 मिनट लगते हैं, लेकिन जो इस साफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हैं वह 1.48 मिनट के आसपास में ही टिकट बना सकते हैं। रेलवे एजेंटों को तत्काल टिकट बुक करने की इजाजत नहीं देता है और पिछले दो महीनों में आरपीएफ ने करीब 60 गैरकानूनी एजेंटों को दबोचा है। ये एजेंट साफ्टवेयर के माध्यम से तत्काल टिकट बुक कर रहे थे जिससे दूसरों के लिए इन्हें (तत्काल टिकट) लेना असंभव साबित हो रहा था।

वंदे भारत एक्सप्रेस का रद नहीं हुआ कोई फेरा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ने परिचालन का एक साल पूरा कर लिया है। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने वंदे भारत के एक साल के सफर को शानदार बताया है। रेलवे का दावा है कि एक साल में इस ट्रेन का एक भी फेरा रद नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री ने पिछले साल 15 फरवरी को नई दिल्ली से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन का शुभारंभ किया था। इसके बाद 17 फरवरी 2019 से इस ट्रेन की वाणिज्यिक सेवा शुरू हुई थी। इस ट्रेन से नई दिल्ली से वाराणसी का सफर आठ घंटे में पूरा किया जा सकता है। सोमवार व बृहस्पतिवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में पांच दिन चलती है। इसके परिचालन का एक साल पूरा होने पर 17 फरवरी को रेलवे के अधिकारियों ने इस ट्रेन में सवार यात्रियों का स्वागत किया और सुविधाओं पर उनसे सुझाव भी लिए। दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन नई दिल्ली- श्री वैष्णो देवी कटड़ा स्टेशन के बीच होता है।

- भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन का एक साल पूरा

महाराष्ट्र में एक और बैंक घोटाला, 76 नामजद

- कर्नाला नागरी सहकारी बैंक में 512.54 करोड़ रुपये की अनियमितता सामने आई

ठाणे, प्रेट्र : पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक घोटाले के बाद महाराष्ट्र में एक और बैंक घोटाला सामने आया है। नया मामला कर्नाला नागरी सहकारी बैंक में 512.54 करोड़ रुपये की अनियमितता से जुड़ा है। इसमें पूर्व विधायक समेत 76 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बैंक का मुख्यालय रायगढ़ जिले के पनवेल में है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

नवी मुंबई पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पनवेल के पूर्व पीडब्ल्यूपी विधायक विवेकानंद शंकर पाटिल सरकारी बैंक के चेयरमैन हैं। रिपोर्ट में पाटिल के साथ-साथ बैंक के वाइस चेयरमैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समेत अन्य को नामजद किया गया है। इन सभी आरोपितों ने बैंक से कर्ज ले रखा है।

पुलिस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, 'आरोपितों के खिलाफ विश्वासघात, धोखाधड़ी के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की विभिन्न धाराओं, सहकारी समिति कानून और महाराष्ट्र प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट ऑफ डिपॉजिटर्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।' इस अनियमिता का पर्दाफाश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की तरफ से सहकारी बैंक की 17 शाखाओं में किए गए विशेष ऑडिट में हुआ। मामले की रिपोर्ट राज्य के सहकारी आयुक्त की शिकायत पर दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है और अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक उसकी स्थापना वर्ष 1996 में सहकारी बैंक कानून के तहत की गई थी। विवेकानंद पाटिल को बैंक की स्थापना के लिए आरबीआइ ने लाइसेंस प्रदान किया था।

उल्लेखनीय है कि पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक में करीब साढ़े छह हजार करोड़ रुपये का घोटाला प्रकाश में आने के बाद हड़कंप मच गया था। इस मामले में बैंक अधिकारियों व रियल एस्टेट कंपनी एचडीआइएल के प्रवर्तकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इनमें से कई की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

कर्नाला नागरी सहकारी बैंक फाइल फोटो

'पंजाबी फिल्म 'शूटर' पर पाबंदी लगाने पर विचार करे केंद्र'

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- पंजाब सरकार पहले ही लगा चुकी है फिल्म पर रोक
- गैंगस्टर सुक्खा काहलवां की जिंदगी पर आधारित है फिल्म

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से कहा है कि वह पंजाबी फिल्म 'शूटर' पर पाबंदी लगाने पर विचार करे। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने कोर्ट को बताया कि पंजाब सरकार पहले ही राज्य में फिल्म पर रोक लगा चुकी है। केंद्र सरकार की तरफ से वकील धीरज जैन ने कहा, केंद्र या उसकी किसी भी अथॉरिटी ने फिल्म के सार्वजनिक तौर पर दिखाने के लिए कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया है।

कोर्ट ने याची को कहा, वो इस याचिका की एक कॉपी केंद्र सरकार को दे। केंद्र सरकार याचिका को मांग पत्र मान कर उस पर कार्रवाई करे। कोर्ट ने पंजाब सरकार को भी इस मामले में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। याचिका में कहा गया है कि फिल्म गैंगस्टर सुक्खा काहलवां की जिंदगी पर आधारित है। काहलवां पर तीन दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज थे। इस फिल्म में हिंसा के साथ गन कल्चर को बढ़ावा दिया गया है। यह फिल्म हाई कोर्ट के 22 जुलाई, 2019 के उस आदेश के विपरीत है, जिसमें ऐसी किसी भी फिल्म, गाने आदि को नहीं चलने देने का निर्देश था, जो अपराध, हिंसा या गैंगस्टर बनने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाला हो।

फिल्म 21 फरवरी को रिलीज हो रही है। इस लिए इस पर रोक जरूरी है। पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने फिल्म के एक प्रोड्यूसर केवी ढिल्लों के खिलाफ एक्शन लेने के भी आदेश दिए हैं। दरअसल, केवी ढिल्लों ने साल 2019 में लिखित में दिया था कि वे इस फिल्म को बंद कर देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद पंजाब सरकार ने एक्शन लिया।

पंजाब और हरियाणा के मामलों की यहीं होती है सुनवाई। फाइल फोटो

अमिताभ का पहली बार मेकअप करने वाले पंढरी दादा का निधन

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

हिंदी सिनेमा में कई सितारों का मेकअप करने वाले मेकअप आर्टिस्ट पंढरी जुकर का निधन हो गया। पंढरी दादा के नाम से मशहूर 88 वर्षीय आर्टिस्ट लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने दिलीप कुमार, मीना कुमारी, नरगिस से लेकर शाह रुख खान और करीना कपूर खान जैसे कलाकारों का भी मेकअप किया था। पंढरी दादा ने ही अमिताभ बच्चन की पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी में उनका मेकअप किया था। उनके निधन पर अमिताभ, जूही चावला, माधुरी दीक्षित, मनीषा कोईराला, अभिषेक बच्चन जैसी कई फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर शोक जताया है।

यश चोपड़ा के साथ पंढरी जुकर ने लगभग 42 साल तक काम किया था। पंढरी दादा ने दीवार, त्रिशूल, क्रांति, डर और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी फिल्मों में मेकअप का कार्यभार संभाला था। आखिरी बार उन्होंने साल 2009 में रिलीज हुई मराठी फिल्म रीता में काम किया था।

फिल्मी हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि : अमिताभ ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पंढरी दादा नहीं रहे। उनको श्रद्धांजलि। फिल्म इंडस्ट्री के अग्रणी मेकअप कलाकार, जिन्होंने आज के कई मेकअप कलाकारों को प्रशिक्षित किया। शानदार, पेशेवर और आकर्षक व्यक्तित्व। मेरा पहला मेकअप उन्होंने ही किया था।' मनीषा कोईराला ने लिखा, 'मेरा पहला मेकअप पंढरी दादा ने किया था, सभी उनकी प्रशंसा और सम्मान करते थे। उनके जैसा कोई दूसरा नहीं होगा। हम आपको याद करेंगे दादा।'

मौसम विशेष

च. ह - चक्रवाती हवा का क्षेत्र, प. वि - पश्चिमी विक्षोभ

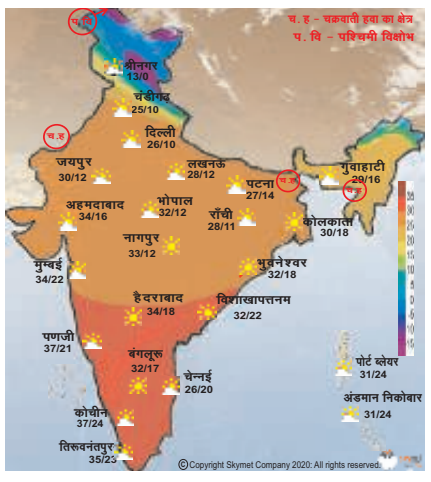

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख व हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा और बर्फबारी होगी। दिन के तापमान में गिरावट आएगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में मध्यम गति की हवाएं प्रभावित करेंगी। रात के तापमान में हल्की वृद्धि होगी तथा शुष्क मौसम जारी रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	33/21/आंवा	अहमदाबाद	36/16/स
कोलकाता	31/19/आंवा	बड़ौदा	36/14/स
चेन्नई	32/21/व	नागपुर	34/13/आंवा
हैदराबाद	35/19/आंवा	इन्दौर	32/13/आंवा
बंगलूरू	33/17/व	रांची	30/11/स
त्रिवेन्द्रम	35/23/आंवा	पटना	28/15/व
गुवाहाटी	29/17/स	जमशेदपुर	31/14/स
जंगटोक	13/08/स	पुणे	34/19/स